विचित्रः साक्षी

इस अध्याय के सभी महत्वपूर्ण प्रश्न – उत्तर सहित। पहले खुद हल करने की कोशिश करो, फिर उत्तर मिलाओ।

अभ्यास प्रश्न-उत्तर (हर टॉपिक से)

» पाठ परिचय और कहानी की शुरुआत

प्रश्न 1 (आसान). इस कहानी का नाम क्या है?
उत्तर – विचित्रः साक्षी।

प्रश्न 2 (आसान). पिता ने पैसा क्यों इकट्ठा किया था?
उत्तर – अपने बेटे को पढ़ाने के लिए।

प्रश्न 3 (मध्यम). यह कहानी किस महान व्यक्ति के फैसले पर आधारित है?
उत्तर – यह कहानी बंकिमचन्द्र चटर्जी के न्यायिक निर्णय पर आधारित है।

» गरीब पिता की यात्रा और रात का आश्रय

प्रश्न 4 (आसान). पिता किस कारण से बस को छोड़कर पैदल चले?
उत्तर – धन के अभाव के कारण।

प्रश्न 5 (आसान). रात होने पर पिता ने कहाँ आश्रय लिया?
उत्तर – एक गाँव के गृहस्थ के घर में।

प्रश्न 6 (मध्यम). गृहस्थ ने पिता को आश्रय क्यों दिया?
उत्तर – गृहस्थ करुणापरो (दयालु) था, इसलिए उसने पिता को आश्रय दिया।

प्रश्न 7 (कठिन). यह कथन 'विचित्रा दैवगतिः' पाठ में किस संदर्भ में कहा गया है?
उत्तर – यह कथन पिता के संघर्ष और अनपेक्षित रूप से रात में आश्रय मिलने के संदर्भ में कहा गया है, जो बताता है कि भाग्य के रास्ते कितने अप्रत्याशित होते हैं।

» चोरी की घटना और अतिथि पर आरोप

प्रश्न 8 (आसान). रात में अतिथि के घर में कौन घुसा?
उत्तर – चोर।

प्रश्न 9 (आसान). चोर ने क्या चुराया?
उत्तर – एक पेटी (संदूक)।

प्रश्न 10 (मध्यम). चोर ने अतिथि को फंसाने के लिए क्या किया?
उत्तर – चोर ने खुद ही ज़ोर-ज़ोर से 'चोर-चोर' चिल्लाया।

प्रश्न 11 (कठिन). इस घटना में असली चोर कौन था और उसने अतिथि के साथ क्या किया?
उत्तर – असली चोर ग्राम का चौकीदार (आरक्षी) था। उसने अतिथि को चोर घोषित करके जेल में डाल दिया।

» न्यायालय में प्रथम दिन: साक्ष्य का अभाव

प्रश्न 12 (आसान). न्यायालय में किसने दोनों पक्षों की बातें सुनीं?
उत्तर – न्यायाधीश बंकिमचंद्र ने।

प्रश्न 13 (आसान). न्यायाधीश ने किसे निर्दोष समझा?
उत्तर – अतिथि को।

प्रश्न 14 (मध्यम). न्यायाधीश ने आरक्षी को दोषी समझने के बावजूद निर्णय क्यों नहीं दिया?
उत्तर – क्योंकि कोई ठोस 'साक्ष्य' (सबूत) उपलब्ध नहीं था।

प्रश्न 15 (कठिन). इस घटना में 'साक्ष्य का अभाव' से आप क्या समझते हैं? अपने शब्दों में समझाइए।
उत्तर – साक्ष्य का अभाव मतलब सबूतों की कमी। इसका अर्थ है कि न्यायाधीश को पता तो था कि कौन सही है और कौन गलत, लेकिन उनके पास अपनी बात को साबित करने के लिए कोई प्रमाण या गवाह नहीं था, इसलिए वे फैसला नहीं सुना पाए।

» न्यायाधीश की युक्ति: शव लाने का आदेश

प्रश्न 16 (आसान). न्यायाधीश ने अगले दिन न्यायालय में क्या आदेश दिया?
उत्तर – उन्होंने आरक्षी और अभियुक्त (अतिथि) को मृतक शरीर को न्यायालय लाने का आदेश दिया।

प्रश्न 17 (आसान). यह आदेश न्यायाधीश की क्या दर्शाता है?
उत्तर – यह आदेश न्यायाधीश की बुद्धिमत्ता और न्याय तक पहुँचने की अनोखी युक्ति को दर्शाता है।

प्रश्न 18 (मध्यम). न्यायाधीश को यह अजीब आदेश देने की ज़रूरत क्यों पड़ी?
उत्तर – न्यायाधीश को यह आदेश इसलिए देना पड़ा क्योंकि पहले दिन उनके पास कोई ठोस सबूत नहीं था, और वे इस युक्ति से अपराधी का पता लगाना चाहते थे।

» शव ले जाते समय आरक्षी का अपराध स्वीकार करना

प्रश्न 19 (आसान). शव ले जाते समय अभियुक्त की क्या स्थिति थी?
उत्तर – वह भारी शव के कारण दर्द से रो रहा था।

प्रश्न 20 (आसान). आरक्षी ने अभियुक्त को क्यों चिढ़ाया?
उत्तर – उसे लगा कि अभियुक्त कमज़ोर है और अब फंसेगा।

प्रश्न 21 (मध्यम). आरक्षी की कौन सी बात उसके अपराध का सबूत बनी?
उत्तर – उसने कहा कि अतिथि ने उसे चोरी की संदूक लेने से रोका था।

प्रश्न 22 (कठिन). इस घटना से न्यायाधीश की युक्ति कैसे सफल हुई?
उत्तर – न्यायाधीश ने शव लाने का आदेश इसलिए दिया था ताकि अपराधी खुद कोई गलती करे। आरक्षी के शब्द ही उसके अपराध का सबूत बन गए, जिससे न्यायाधीश की युक्ति सफल हुई।

» मृत शरीर का विचित्र साक्ष्य और न्याय

प्रश्न 23 (आसान). न्यायाधीश के आदेश पर 'शव' ने क्या किया?
उत्तर – 'शव' ने अपना प्रावारक हटाकर न्यायाधीश को अभिवादन किया।

प्रश्न 24 (आसान). 'शव' ने न्यायाधीश को क्या बात बताई?
उत्तर – 'शव' ने वही बात बताई जो आरक्षी ने रास्ते में अतिथि से कही थी।

प्रश्न 25 (मध्यम). आरक्षी को किस अपराध के लिए और कितने साल की सज़ा मिली?
उत्तर – आरक्षी को चोरी के आरोप और अतिथि को दोषी ठहराने की कोशिश के लिए दंडित किया गया, और उसे तीन साल की कारावास की सज़ा मिली।

प्रश्न 26 (कठिन). इस घटना से न्यायाधीश की किस विशेषता का पता चलता है? यह आपके जीवन में कैसे उपयोगी हो सकता है?
उत्तर – इस घटना से न्यायाधीश की बुद्धिमत्ता, न्यायप्रियता और समस्या समाधान की क्षमता का पता चलता है। यह हमें सिखाता है कि कठिन परिस्थितियों में भी युक्ति और विवेक से काम लेना चाहिए, जिससे सच्चाई सामने आ सके और अन्याय का पर्दाफाश हो सके।

» संदेश और सूक्ति

प्रश्न 27 (आसान). सूक्ति के अनुसार, कौन लोग मुश्किल काम आसानी से कर लेते हैं?
उत्तर – बुद्धिमान लोग (मतिवैभवशालिनः)

प्रश्न 28 (आसान). 'लीलयैव' शब्द का क्या अर्थ है?
उत्तर – आसानी से, खेल-खेल में

प्रश्न 29 (मध्यम). मुश्किल कार्यों को आसान बनाने के लिए सूक्ति किन दो चीजों का सहारा लेने को कहती है?
उत्तर – नीति और युक्ति (नीतियुक्तिं समालम्ब्य)

प्रश्न 30 (कठिन). न्यायाधीश बंकिमचंद्र ने किस 'नीति युक्ति' का प्रयोग करके चोर को पकड़ा?
उत्तर – उन्होंने एक नियोजित 'शव' का साक्ष्य तैयार किया, जिसने सिपाही के ही शब्द दोहराकर उसका अपराध उजागर किया।

» अभ्यास प्रश्नोत्तर

प्रश्न 31 (आसान). एक पद में उत्तर दें: 'निधर्नः जनः कथं वित्तम् उपार्जितवान्?'
उत्तर – भूरि परिश्रम्य

प्रश्न 32 (आसान). एक पद में उत्तर दें: 'वस्तुतः चैरः कः आसीत्?'
उत्तर – आरक्षी

प्रश्न 33 (मध्यम). पूर्ण वाक्य में उत्तर दें: 'जनः किमर्थं पदातिः गच्छति?'
उत्तर – वित्तक्षयेण पीड़ितः सः बसयानं विहाय पदातिः गच्छति।

प्रश्न 34 (कठिन). प्रश्न निर्माण करें: 'करुणापरो गृही तस्मै आश्रयं प्रायच्छत्।'
उत्तर – करुणापरो गृही कस्मै आश्रयं प्रायच्छत्?

» सन्धि/सन्धिविच्छेद

प्रश्न 35 (आसान). हिम + आलयः
उत्तर – हिमालयः

प्रश्न 36 (आसान). शुभ + आरम्भः
उत्तर – शुभारम्भः

प्रश्न 37 (मध्यम). कवि + इन्द्रः
उत्तर – कवीन्द्रः

प्रश्न 38 (कठिन). पितृ + आज्ञा
उत्तर – पित्रज्ञा

» प्रत्यय पहचान और वर्गीकरण

प्रश्न 39 (आसान). निम्नलिखित शब्द में प्रत्यय पहचानिए: पठितुम्

उत्तर – तुमुन्

प्रश्न 40 (आसान). निम्नलिखित शब्द में प्रत्यय पहचानिए: गतः

उत्तर – क्त

प्रश्न 41 (मध्यम). शब्द 'आगत्य' में कौन सा प्रत्यय है?

उत्तर – ल्यप्

प्रश्न 42 (कठिन). शब्द 'लिखितवान्' में प्रत्यय पहचानिए।

उत्तर – क्तवतु

» वाक्य परिवर्तन और विभक्ति प्रयोग

प्रश्न 43 (आसान). कः पठति? (बहुवचन में बदलो)

उत्तर – के पठन्ति?

प्रश्न 44 (आसान). बालकः गच्छति। (बहुवचन में बदलो)

उत्तर – बालकाः गच्छन्ति।

प्रश्न 45 (मध्यम). सा फलम् खादति। (बहुवचन में बदलो)

उत्तर – ताः फलानि खादन्ति।

प्रश्न 46 (कठिन). छात्रः _____ पठति। (पुस्तक शब्द की द्वितीया विभक्ति लगाओ)

उत्तर – छात्रः पुस्तकं पठति।

» व्याकरणिक विस्तार: सर्वनाम और नकारान्त शब्द

प्रश्न 47 (आसान). निम्नलिखित में से 'अदस्' का प्रथमा द्विवचन रूप क्या है?

उत्तर – अमू

प्रश्न 48 (आसान). 'अध्वना' शब्द में कौन सी विभक्ति और वचन है?

उत्तर – तृतीया एकवचन

प्रश्न 49 (मध्यम). 'अमीभिः' और 'अध्वभिः' दोनों में कौन सी विभक्ति समान है?

उत्तर – तृतीया बहुवचन

प्रश्न 50 (कठिन). 'अमुष्य' और 'अध्वनः' दोनों में कौन सी विभक्ति समान है, यदि एक ही वचन के रूप लिए जाएँ?

उत्तर – 'अमुष्य' (अदस्) षष्ठी एकवचन और 'अध्वनः' (अध्वन्) षष्ठी एकवचन। (लेकिन 'अध्वनः' पंचमी एकवचन में भी होता है, इसलिए यह ध्यान रखना ज़रूरी है कि प्रश्न में एक ही वचन कहा गया है।)

हल किए हुए उदाहरण (step-by-step)

उदाहरण 1. पाठ 'विचित्रः साक्षी' के लेखक कौन हैं और यह कहानी किस पर आधारित है?

› पहला कदम, हम लेखक का नाम याद करेंगे।

› दूसरा कदम, हम उस व्यक्ति को याद करेंगे जिसके न्यायिक निर्णय पर यह कहानी आधारित है।

उत्तर – इस पाठ के लेखक ओमप्रकाश ठन्नड्ढ°र हैं और यह कहानी बंकिमचन्द्र चटर्जी के एक न्यायिक निर्णय पर आधारित है।

उदाहरण 2. पिता ने बस को छोड़कर पैदल यात्रा क्यों शुरू की?

› पाठ में बताया गया है कि पुत्र बीमार था और पिता उससे मिलने जा रहे थे।

› यह भी बताया गया है कि पिता 'परमर्थकाश्र्येन पीडितः' थे, जिसका अर्थ है धन के अभाव से पीड़ित।

› अतः, धन की कमी के कारण वे बस का किराया नहीं दे पाए और पैदल यात्रा करने पर मजबूर हुए।

उत्तर – पिता ने धन के अभाव के कारण बस को छोड़कर पैदल यात्रा शुरू की क्योंकि उनके पास बस का किराया देने के लिए पैसे नहीं थे।

उदाहरण 3. चोरी की घटना में, ग्रामवासी किस पर चोरी का आरोप लगाते हैं और क्यों?

› रात में अतिथि के घर में एक चोर घुसता है और संदूक लेकर भागता है।

› अतिथि चोर का पीछा करके उसे पकड़ लेता है।

› पकड़ा गया चोर खुद ही ज़ोर-ज़ोर से 'चोर-चोर' चिल्लाने लगता है।

› गाँव के लोग चोर की आवाज़ सुनकर बाहर आते हैं और अतिथि को चोर समझ लेते हैं क्योंकि चोर खुद ही 'चोर-चोर' चिल्ला रहा था और अतिथि ने उसे पकड़ा हुआ था।

उत्तर – गाँव वाले बेचारे अतिथि पर चोरी का आरोप लगाते हैं क्योंकि असली चोर खुद ही 'चोर-चोर' चिल्लाकर सारा इल्ज़ाम अतिथि पर डाल देता है, और गाँव वाले भी उसी की बात मान लेते हैं।

उदाहरण 4. न्यायाधीश बंकिमचंद्र ने अतिथि और आरक्षी के मामले में निर्णय क्यों नहीं दिया?

› पहला चरण: न्यायाधीश ने अतिथि और आरक्षी दोनों की बातें ध्यान से सुनीं।

› दूसरा चरण: अपनी बुद्धि से उन्हें समझ आ गया कि अतिथि निर्दोष है और आरक्षी दोषी है।

› तीसरा चरण: लेकिन, न्यायालय में किसी को दोषी ठहराने के लिए 'साक्ष्य' यानी ठोस सबूत चाहिए होते हैं।

› चौथा चरण: चूंकि उनके पास कोई प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष सबूत नहीं था, इसलिए वे तुरंत निर्णय नहीं दे सके।

उत्तर – साक्ष्य के अभाव के कारण न्यायाधीश बंकिमचंद्र ने तुरंत निर्णय नहीं दिया।

उदाहरण 5. न्यायाधीश ने शव लाने का आदेश क्यों दिया होगा?

› पहला चरण: न्यायाधीश को पता था कि आरक्षी अपराधी है और अतिथि निर्दोष।

› दूसरा चरण: लेकिन उनके पास कोई ठोस सबूत नहीं था।

› तीसरा चरण: सबूत इकट्ठा करने और असली अपराधी को पकड़ने के लिए उन्होंने यह अनोखी युक्ति (चाल) सोची।

› चौथा चरण: वे देखना चाहते थे कि भारी शव को उठाते समय कौन कैसे प्रतिक्रिया करता है, जिससे सच सामने आ सके।

उत्तर – न्यायाधीश ने यह आदेश इसलिए दिया ताकि उन्हें पता चल सके कि शव उठाने में किसे ज़्यादा परेशानी होती है और कौन सहज महसूस करता है, जिससे अपराधी का पता लगाया जा सके।

उदाहरण 6. आरक्षी ने अतिथि को चिढ़ाते हुए क्या कहा और उसकी बात से क्या सिद्ध होता है?

› आरक्षी ने कहा, 'उस दिन तूने मुझे चोरी की संदूक लेने से रोका था। अब अपने कर्मों का फल भुगत। इस चोरी के आरोप में तुझे तीन साल की जेल होगी।'

› आरक्षी ने अपनी बात में 'चोरी की संदूक लेने से' शब्द का प्रयोग किया।

› यह शब्द सीधे तौर पर आरक्षी के अपराध की ओर संकेत करता है कि वह उस दिन चोरी की संदूक ले रहा था और अतिथि ने उसे रोका था।

उत्तर – आरक्षी ने अतिथि को यह कहकर चिढ़ाया कि उसने उसे चोरी की संदूक लेने से रोका था, और अब उसे चोरी के आरोप में तीन साल की जेल होगी। उसकी यह बात ही उसके अपराध का स्पष्ट प्रमाण थी।

उदाहरण 7. पाठ के आधार पर समझाएँ कि न्यायाधीश ने आरक्षी का अपराध कैसे सिद्ध किया?

› न्यायाधीश ने आरक्षी और अतिथि दोनों को फिर से घटना सुनाने को कहा।

› जब 'शव' को सामने लाया गया, तो वह अपना प्रावारक (ऊपर का वस्त्र) हटाकर न्यायाधीश को अभिवादन करता है।

› उस 'शव' ने वही बात दोहराई जो आरक्षी ने रास्ते में अतिथि से कही थी, 'तूने मुझे चोरी की संदूक लेने से रोका था, इसलिए तुझे अपने किए का फल भुगतना होगा। इस चोरी के आरोप में तुझे तीन साल की जेल होगी।'

› आरक्षी के अपने ही शब्दों ने उसका अपराध सिद्ध कर दिया, क्योंकि कोई और कैसे जानता कि आरक्षी ने रास्ते में क्या कहा था।

उत्तर – इस प्रकार, न्यायाधीश की युक्ति और 'शव' के रूप में प्रस्तुत 'विचित्र साक्ष्य' ने आरक्षी का अपराध सिद्ध कर दिया।

उदाहरण 8. एक गांव में सूखा पड़ गया और पानी की बहुत कमी हो गई। लोगों को मीलों दूर से पानी लाना पड़ता था, जो बहुत मुश्किल काम था। एक बुद्धिमान युवक ने इस समस्या को कैसे हल किया?

› युवक ने सबसे पहले गाँव के बुजुर्गों और अनुभवी लोगों से बात की, ताकि वह समझ सके कि पहले क्या-क्या कोशिशें की जा चुकी हैं और क्यों वे सफल नहीं हुईं।

› उसने गाँव के चारों ओर घूमकर पानी के पुराने स्रोतों, जैसे कि सूख चुके कुएँ और बावड़ियाँ, का निरीक्षण किया। उसने भूजल स्तर (groundwater level) को भी समझा।

› युवक ने ग्रामीणों को एक साथ मिलकर काम करने के लिए प्रेरित किया। उसने उन्हें समझाया कि अगर सब मिलकर एक ही दिशा में प्रयास करेंगे, तो सफलता ज़रूर मिलेगी।

› उसने एक पुरानी बावड़ी को गहरा करने और उसकी मरम्मत करने की योजना बनाई। उसने बताया कि बारिश का पानी कैसे उस बावड़ी में जमा किया जा सकता है।

› गाँव वालों ने उसकी युक्ति पर भरोसा किया और सबने मिलकर काम किया। कुछ ही समय में, बावड़ी से पानी निकलने लगा और गाँव की समस्या हल हो गई।

उत्तर – बुद्धिमान युवक ने 'मतिवैभव' (बुद्धि) और 'नीति युक्ति' (सही योजना) का प्रयोग करके पानी की गंभीर समस्या को 'लीलयैव' (आसानी से) हल कर दिया।

उदाहरण 9. पाठ 'विचित्र साक्षी' से शब्द 'पलायितः' का अर्थ बताओ।

› सबसे पहले, हम पाठ में देखेंगे कि 'पलायितः' शब्द कहाँ आया है।

› फिर, हम उस शब्द के सामने दिए गए अर्थ को पढ़ेंगे।

› अर्थ है 'वेग से निर्गतः / पलायनमकरोत्' जिसका मतलब होता है 'भाग गया, चला गया'।

› तो, इसका अर्थ हुआ 'भाग गया' या 'चला गया'।

› अब, इसे एक बार मन में दोहराएंगे ताकि याद हो जाए।

उत्तर – 'पलायितः' का अर्थ है 'भाग गया' या 'चला गया'।

उदाहरण 10. प्रश्न निर्माण करें: 'न्यायाधीशः बंकिमचन्द्रः आसीत्।'

› सबसे पहले, हमें उस शब्द को पहचानना है जिसकी जगह प्रश्नवाचक शब्द आएगा। यहाँ 'बंकिमचन्द्रः' नाम है।

› अब सोचना है कि 'बंकिमचन्द्रः' (एक व्यक्ति का नाम) के लिए कौन-सा प्रश्नवाचक शब्द इस्तेमाल होगा।

› क्योंकि 'बंकिमचन्द्रः' पुल्लिंग एकवचन है और प्रथमा विभक्ति में है, तो इसके लिए 'कः' (कौन) शब्द सबसे उपयुक्त है।

› प्रश्नवाचक शब्द को मूल वाक्य में उसकी जगह पर रखें और अंत में प्रश्नवाचक चिन्ह लगाएं।

उत्तर – तो इसका सही प्रश्न निर्माण होगा: 'न्यायाधीशः कः आसीत्?'

उदाहरण 11. शब्द 'निशान्धकारे' का सन्धिविच्छेद कीजिए।

› सबसे पहले शब्द को ध्यान से पढ़िए: 'निशान्धकारे'।

› इसमें 'निशा' और 'अन्धकारे' दो अलग-अलग शब्द पहचानिए।

› अब देखिए, 'निशा' के अंत में 'आ' स्वर है और 'अन्धकारे' के शुरू में 'अ' स्वर है।

› 'आ' + 'अ' मिलकर 'आ' बन जाता है (यह दीर्घ सन्धि का नियम है)।

› तो इसका सन्धिविच्छेद होगा 'निशा + अन्धकारे'।

› हाँ, याद रखना, यहाँ पर 'निशान्धकारे' में 'निशा' शब्द का 'आ' और 'अन्धकारे' का 'अ' मिलकर दीर्घ 'आ' हो गया है।

› तो, सही विच्छेद है 'निशा + अन्धकारे'।

› दोनों मूल शब्दों को पहचानना सबसे ज़रूरी है।

उत्तर – निशा + अन्धकारे

उदाहरण 12. दिए गए शब्दों में से प्रत्यय पहचानिए और उनका वर्गीकरण कीजिए: परिश्रम्य, द्रष्टुम्, प्रस्थितः, नीतवान्।

› पहला शब्द है 'परिश्रम्य'। इसमें 'परि' उपसर्ग है, 'श्रम' धातु है और अंत में 'य' दिख रहा है। जब उपसर्ग के साथ 'य' आता है, तो वो कौन सा प्रत्यय होता है बच्चों? शाबाश, ल्यप् प्रत्यय।

› दूसरा शब्द है 'द्रष्टुम्'। इसमें 'दृश्' धातु है और अंत में 'तुम्' दिख रहा है। 'तुम्' किस प्रत्यय में आता है? बिल्कुल सही, तुमुन् प्रत्यय। इसका मतलब हुआ 'देखने के लिए'।

› तीसरा शब्द है 'प्रस्थितः'। इसमें 'प्र' उपसर्ग, 'स्था' धातु और अंत में 'तः' जैसा रूप। यह भूतकाल का अर्थ दे रहा है 'प्रस्थान किया हुआ'। यह क्त प्रत्यय है।

› आखिरी शब्द है 'नीतवान्'। इसमें 'नी' धातु है और 'तवान्' जैसा रूप दिख रहा है। यह भी भूतकाल का अर्थ दे रहा है, 'ले गया'। यह क्तवतु प्रत्यय है।

› तो, परिश्रम्य में ल्यप्, द्रष्टुम् में तुमुन्, प्रस्थितः में क्त और नीतवान् में क्तवतु प्रत्यय है।

उत्तर – परिश्रम्य - ल्यप् प्रत्यय, द्रष्टुम् - तुमुन् प्रत्यय, प्रस्थितः - क्त प्रत्यय, नीतवान् - क्तवतु प्रत्यय।

उदाहरण 13. वाक्य को बहुवचन में बदलो और रिक्त स्थान भरो:

1. 'सः चैरः आसीत्' (इसे बहुवचन में बदलो)

2. 'सः _____ निष्क्रम्य बहिरगच्छत्। (गृह शब्द की पंचमी विभक्ति लगाओ)

› पहले वाक्य के लिए: 'सः' का बहुवचन 'ते' होता है। 'चैरः' का बहुवचन 'चैराः' होता है। 'आसीत्' (था) का बहुवचन 'आसन्' (थे) होता है।

› तो 'सः चैरः आसीत्' का बहुवचन होगा 'ते चैराः आसन्'।

› दूसरे वाक्य के लिए: 'गृह' शब्द की पंचमी विभक्ति एकवचन में 'गृहात्' होती है, जिसका अर्थ है 'घर से'।

› तो पूरा वाक्य बनेगा 'सः गृहात् निष्क्रम्य बहिरगच्छत्' (वह घर से निकलकर बाहर चला गया)।

उत्तर – 1. 'ते चैराः आसन्'

2. 'सः गृहात् निष्क्रम्य बहिरगच्छत्'

उदाहरण 14. नीचे दिए गए वाक्य में रेखांकित शब्द की सही विभक्ति और वचन पहचान कर रूप लिखिए: असौ छात्रः पुस्तकं पठति।

› पहले शब्द को पहचानो: रेखांकित शब्द है 'असौ'।

› अब शब्द के मूल रूप को पहचानो: 'असौ' का मूल रूप 'अदस्' (यह) है।

› फिर वाक्य में शब्द का कार्य देखो: 'असौ छात्रः' का मतलब है 'यह छात्र'। यहाँ 'असौ' कर्ता का काम कर रहा है।

› कर्ता हमेशा प्रथमा विभक्ति में होता है।

› अब 'अदस्' के प्रथमा विभक्ति के रूप याद करो: एकवचन में 'असौ', द्विवचन में 'अमू', बहुवचन में 'अमी'।

› वाक्य में 'छात्रः' एकवचन है, इसलिए 'असौ' भी एकवचन में है।

› तो 'असौ' प्रथमा विभक्ति, एकवचन का रूप है।

उत्तर – 'असौ' अदस् (यह) पुँल्लिङ्ग शब्द की प्रथमा विभक्ति एकवचन का रूप है।

बोर्ड परीक्षा के लिए ख़ास

• लेखक का नाम और कहानी का आधार, ये दोनों बिंदु अक्सर एक नंबर के प्रश्न में पूछे जाते हैं, इसलिए इन्हें ध्यान से याद रखना।

• इस भाग से 'क्यों' वाले प्रश्न (जैसे पिता पैदल क्यों चले) और 'कहाँ' वाले प्रश्न (रात में कहाँ रुके) बहुत महत्वपूर्ण होते हैं।

• यह कहानी का मुख्य मोड़ है जहाँ गलत व्यक्ति को चोर माना जाता है। इस घटनाक्रम को अच्छे से समझ लेना, क्योंकि इस पर आधारित प्रश्न परीक्षा में आ सकते हैं। 'ग्राम आरक्षी ही चोर था' यह तथ्य विशेष रूप से याद रखना।

• यह अंश कहानी के मोड़ को दर्शाता है, इसमें 'साक्ष्य के अभाव' का महत्व और न्यायाधीश की बुद्धिमत्ता पर आधारित प्रश्न आ सकते हैं। कहानी के क्रम को ध्यान से समझें।

• यह भाग न्यायाधीश की बुद्धिमत्ता और न्याय के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को दर्शाता है, इसे ध्यान से समझें।

• यह भाग महत्वपूर्ण है क्योंकि यहीं पर अपराधी की पहचान उजागर होती है। आरक्षी के कहे गए शब्दों को ध्यान से समझना और लिखना आवश्यक है।

• यह कहानी नैतिक शिक्षा और युक्तिपूर्ण निर्णय पर आधारित है। परीक्षा में न्यायाधीश की बुद्धिमत्ता और 'शव' के माध्यम से न्याय सिद्ध करने की प्रक्रिया पर आधारित प्रश्न आ सकते हैं।

• यह सूक्ति और उसका अर्थ बोर्ड परीक्षा के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। अक्सर इसका अर्थ या इस पर आधारित प्रश्न पूछा जाता है, इसलिए इसे अच्छी तरह याद कर लें।

• प्रश्न निर्माण और निर्देशानुसार उत्तर वाले प्रश्न बोर्ड परीक्षा में अच्छे अंक दिलाते हैं, इसलिए इनका अभ्यास बहुत ध्यान से करें।

• सन्धि और सन्धिविच्छेद से बोर्ड परीक्षा में सीधे प्रश्न आते हैं, जो आपको पूरे अंक दिला सकते हैं। नियमों को अच्छे से कंठस्थ कर लें।

• प्रत्ययों को पहचानने के लिए शब्द के अंत में आने वाले रूप और उसके अर्थ पर विशेष ध्यान दें, खासकर उपसर्ग वाले ल्यप् प्रत्यय को।

• यह भाग आपके बोर्ड परीक्षा में सीधे-सीधे 4-5 अंकों का आता है, जिसमें बहुवचन में बदलने और रिक्त स्थान भरने वाले प्रश्न होते हैं। विभक्तियों के रूपों को कंठस्थ कर लेना और वाक्यों में उनका प्रयोग समझना बहुत ज़रूरी है।

• अदस् और अध्वन् के शब्द रूप बोर्ड परीक्षा में अक्सर 3-4 अंक के लिए सीधे पूछे जाते हैं। इनके सभी वचनों और विभक्तियों को कंठस्थ कर लें।

एक नज़र में रिवीज़न

› पाठ 'विचित्रः साक्षी' - ओमप्रकाश ठन्नड्ढ°र - बंकिमचन्द्र चटर्जी के न्याय पर आधारित।

› धन के अभाव में पिता की पैदल यात्रा, रात में गृहस्थ से आश्रय।

› चोर ने खुद 'चोर-चोर' चिल्लाकर अतिथि को फंसाया; असली चोर ग्राम आरक्षी था।

› साक्ष्य के अभाव में न्यायाधीश निर्णय नहीं दे सके।

› न्यायाधीश ने अपराधी पहचानने हेतु शव लाने का आदेश दिया।

› घमंडी आरक्षी ने शव ले जाते समय अपराध स्वीकार किया।

› न्यायाधीश ने 'मृत शरीर' साक्ष्य से आरक्षी को दंडित किया, निर्दोष को मुक्त किया।

› मतिवैभवशालिनः नीतियुक्तिं समालम्ब्य दुष्कराणि कर्माणि लीलया कुर्वते।

› विभिन्न प्रकार के प्रश्नों का अभ्यास पाठ की समझ बढ़ाता है।

› सन्धि: वर्णों का मेल, सन्धिविच्छेद: वर्णों को अलग करना।

› प्रत्यय: धातु/शब्द के अंत में जुड़कर अर्थ बदलने वाले अंश (ल्यप्, क्त, क्तवतु, तुमुन्)।

› वाक्य परिवर्तन: एकवचन बहुवचन; विभक्ति: रोल अनुसार
› अदस् (सर्वनाम) और अध्वन् (नकारान्त) के रूप याद करें।